अध्याय 10

वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास केंन्द्र

छिंदवाड़ा

वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र, छिंदवाड़ा, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का एक सैटेलाइट केन्द्र है। इस केन्द्र को जैवविविधता संरक्षण, अकाष्ठ वन उत्पाद, वन रक्षण, सामाजिक–आर्थिक, वन संवर्धन और वृक्ष सुधार जैसे विशेषीकृत क्षेत्रों में वानिकी अनुसंधान करने का अधिदेश मिला है। इसके अतिरिक्त इस केन्द्र को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करके वानिकी सेक्टर में मानव संसाधन का विकास करने का उत्तरदायित्व भी सौंपा गया है ताकि स्व–रोजगार और राज्य वन विभाग के वी एफ सी/ ई डी सी/वन कार्मिकों द्वारा निर्धनता में कमी लाई जा सके।

वर्ष 2000–2001 के दौरान जारी पुरानी परियोजनाएं

परियोजना 1 : पौधशाला और रोपण प्रौद्योगिकी में कनिष्ठ/वरिष्ठ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

उद्देश्य : ग्रामीण आबादी में वन आधारित आवश्यकताओं की विविधता द्वारा वनों के संरक्षण और ग्रामीण स्व–रोजगार के लिए मानव संसाधन का विकास और संवृद्धि।

उपलब्धियां : ''पौधशाला एवं रोपण प्रौद्योगिकी'' पर पांचवाँ कनिष्ठ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 4 अगस्त 2000 को समाप्त हुआ और नौ प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

⇦ पौधशाला एवं रोपण प्रौद्योगिकी पर जूनियर सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम

⇨ क्षेत्र भ्रमण पर सीनियर सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम के प्रशिक्षार्थी

परियोजना 2: वन प्रबन्ध और पुनर्जनन पर विशेष जोर देने के साथ निम्नीकरण स्तर के अनुसार उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन की संरचना और कार्य।

उद्देश्य : (क) निम्नीकृत वनों पर मानवोद्भवी मूल्यांकन और जीवीय प्रभाव मूल्याकंन करना । (ख) जैव विविधता और दैहिक अध्ययन करना। (ग) महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के पुनर्जनन व्यवहार का मूल्यांकन करना। (घ) जैव मात्रा उत्पादकता और पोषक चक्रण का मूल्यांकन करना।

उपलब्धियां : वृक्ष, शाक–झाड़ी के विभिन्न संघटकों और मृदा नमूनों के लिए पोषक विश्लेषण प्रगति पर है। वृक्ष जैव मात्रा आंकलन के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण पूरे किए गए।

मृदा प्रयोगशाला

परियोजना 3 : भारत (म0 प्र0), छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के विभिन्न कृषि पारिस्थितिकीय क्षेत्रों में नीम के एकीकृत विकास पर राष्ट्रीय नेटवर्क।

उद्देश्य : (क) रोपण तकनीक प्रदर्शित करना। (ख) चयनित बीजो के दैहिक विश्लेषकों का प्रलेख–पोषण और तेल मात्रा का आंकलन। (ग) रासायनिक विश्लेषण का अध्ययन करना। (घ) बीज संसाधन मूल्याकंन–संग्रहण और भण्डारण।

उपलब्धियां : मध्य प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायवीय क्षेत्रों से नीम के 120 धन वृक्ष का चयन किया गया और भावी रोपण कार्यकलाप के लिए पौधे लगाए गए। बीज अभिलक्षण यथा–बीज लम्बाई–चौड़ाई, भार अंकुरण क्षमता का निर्धारण किया गया। एकत्रित बीजों से वसीय तेलों का निष्कर्षण किया गया तथा तेलों का रासायनिक विश्लेषण भी किया गया। वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र, छिंदवाडा में 2 हैक्टेयर नीम रोपण लगाए गए।

(एजैडिरैक्टा इंडिका)–धन वृक्ष

वर्ष 2000–2001 के दौरान शुरु की गई नयी परियोजनाएं

परियोजना 1 : प्राकृतिक वनों, रोपणों में बीच की फसल के रुप में औषधीय और सुरभित पादपों की खेती की व्यवहारिता पर अध्ययन और इनकी रासायनिक जांच।

उद्देश्य : (क) औषधीय और सुरभित पादपों की उत्पादक बढ़ाना। (ख) प्राकृतिक स्रोतों का पारि–पुनर्वास और संरक्षण।

की गई प्रगति : केन्द्र में औषधीय/सुरभित पादपों की एक पौधशाला स्थापित की जा रही हैं। पादप पदार्थो के संग्रहण के लिए सर्वेक्षण किए गए। निम्बू घास से सुगंध तेल निष्कर्षित किया गया। जी सी–एम एस अध्ययनों ने 32 संघटनों की उपस्थिति को दर्शाया।

औषधीय/सुगन्धित पादपों की पौधशाला

परियोजना 2 : कृषिवानिकी और रोपण पारितंत्र में एम्ब्लिका ऑफियिनेलिस और मेलाइना आर्बोरीया के नाशिकीटों पर अध्ययन।

उद्देश्य : (क) लक्ष्य प्रजातियों के विभिन्न नाशिकीटों के स्तर का मानीटरन करना। (ख) नाशिकीटों के प्रभावी नियंत्रण उपाय विकसित करना।

की गई प्रगति : प्रमुख नाशी जीवों के कारण क्षतियों का मूल्यांकन अभिलिखित किया गया। नाशिकीटों के लिए मेलाइना आर्बोरीया और एम्लिका ऑफिसिनेलिस के रोंपणों की जांच की गई।

परियोजना 3 : बुकानेनिया लैन्जन के लिए पौधशाला तकनीक और प्रवर्धन विधियों का मानकीकरण।

उद्देश्य : (क) पौधशाला तकनीकों का मानकीकरण करना। (ख) उपयुक्त प्रवर्धन विधियों का विकास और मानकीकरण करना। (ग) प्रजातियों/क्लोनों का बहुमात्र गुणन। (घ) क्लोनीय अथवा कायिक बीज उद्यानों/पौधों की स्थापना करना।

की गई प्रगति : स्थानीय रुप से निर्मित निम्न लागत गैर–धुमिका कक्ष स्थापित किया गया। मूलांकुरों द्वारा प्रवर्धन का अध्ययन करने के लिए प्रयोग किए गए। विभिन्न स्रोतों से बीज एकत्र किए गए। पौधशाला तकनीकों का मानकीकरण करने के लिए प्रयोग तैयार किए गए।

वर्ष 2000–2001 के लिए वित्तीय विवरण

I. योजना		
		व्यय (रुपये लाख में)
क.	राजस्व व्यय	
	i. अनुसंधान	24.75
	ii. प्रशासनिक सहायता	14.46
	iii. अन्य ब्यौरा	- -
ख.	ऋण और अग्रिम	
	i. ऋण अग्रिम (वाहन)	0.50
	ii. गृह निर्माण अग्रिम	- -
ग.	पूंजीगत व्यय	
	i भवन व सड़कें	- -
	ii. उपकरण, पुस्तकालय पुस्तकें	1.02
	iii. गाड़ियां	- -
	iv. अन्य ब्यौरा	- -
	योजना का कुल योग (क+ख+ग)	**40.73**
II. गैर योजना		
क.	राजस्व व्यय	
	i अनुसंधान	- -
	ii. प्रशासनिक सहायता (वेतन)	- -
	गैर योजना का कुल योग	**- -**
III. निधीयित परियोजनाएं		
	(क) विश्व बैंक परियोजना	2.48
	(ख) यू एन डी पी परियोजना	0.18
	निधीयित परियोजनाओं का कुल योग	**2.66**